पुणना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Summative Assessment Assignment-2 (2022-23)

Std-VII

Subject-Hindi

(अपठित-विभाग)

प्र-1 अपठित गदयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

1] संस्कृति का सामान्य अर्थ है, मानव जीवन के दैनिक आचार-व्यवहार, रहन-सहन तथा क्रिया-कलाप आदि। वास्तव में संस्कृति का निर्माण एक लंबी परम्परा के बाद होता है। संस्कृति विचार व आचरण के वे नियम और मूल्य हैं जिन्हें कोई अपने अतीत से प्राप्त करता है। इसलिए कहा जाता है कि इसे हम अतीत से अपनी विरासत के रूप में प्राप्त करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो संस्कृति एक विशिष्ट जीवन-शैली का नाम है। यह एक सामाजिक विरासत है जो परंपरा से चली आ रही होती है। प्रायः सभ्यता और संस्कृति को एक ही मान लिया जाता है, परंतु इनमें भेद हैं। इन दोनों को अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। वास्तव में दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। इनका विकास भी साथ-साथ होता है। अंतर केवल इतना है कि सभ्यता समय के बाद बदलती रहती है, किंतु संस्कृति शाश्वत रहती है।

1) संस्कृति का क्या अर्थ है?
2) संस्कृति को विरासत का स्वरूप क्यों कहा जाता है?
3) सभ्यता और संस्कृति में क्या भेद है?
4) सभ्यता और संस्कृति का क्या अर्थ है?
5) गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर

1) संस्कृति का सामान्य अर्थ मानव जीवन के दैनिक आचार-व्यवहार, रहन-सहन तथा क्रिया-कलाप आदि हैं।
2) संस्कृति का निर्माण एक लंबी परंपरा के बाद होता है इसलिए उसे विरासत का स्वरूप कहा जाता है।
3) मनुष्य की सभ्यता का अनुमान उसकी सुख-सुविधाओं से लगाया जाता है तो संस्कृति का आचार-विचार से।
4) सभ्यता और संस्कृति दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। अंतर केवल इतना है कि सभ्यता समय के साथ बदलती है लेकिन संस्कृति शाश्वत रहती है।
5) "सभ्यता और संस्कृति"।

2]पतंग के जन्म के बारे में ठीक-ठीक जानकारी तो इतिहास में नहीं मिलती, पर कुछ ठोस जानकारी के हिसाब से करीब दो हजार वर्ष पूर्व चीन में किसी किसान ने मजाक-मजाक में अपनी टोपी में डोरी बाँधकर हवा में उछाल दिया था, और वह दुनिया की पहली पतंग बन गई | बाद में कुछ चीनी व्यापारियो से होते हुए यह विश्वभर में प्रचलित हो गई | आज भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में होने वाले काईट उत्सव से हर कोई परिचित है | इस महोत्सव में भाग लेने के लिए हर वर्ष विश्व के कोने-कोने से प्रतियोगी भारत आते हैं | इन दिनों गुजरात की छठा ही निराली होती है | आसमान में उडती रंग-बिरंगी पतंगें मानो जादू सा कर देतीं हैं, हर कोई इस उत्सव में खिंचा चला आता है | पूरा आसमान अलग -अलग आकारों की पतंगों से भर जाता है | ऊंचीं उड़ती पतंग खिलाड़ियों के मन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करती है | पतंगबाजी मानव को कल्पनाशील भी बनाती है | जिस प्रकार पतंग विपरीत हवा में आसमान में ऊँची उड़ती है, वैसे ही विपरीत परिस्थितियों में ही मनुष्य के धैर्य तथा साहस की परीक्षा होती है | पतंगबाजी से पूरे शरीर का व्यायाम भी हो जाता है |

1) दुनिया की पहली पतंग के बारे में बताइए |
2) काईट उत्सव कहाँ मनाया जाता है?
3) ऊंची उड़ती पतंग खिलाड़ियों के मन में कैसी ऊर्जा प्रवाहित करती है ?

4) आसमान में उड़ती पतंग हमें क्या सन्देश देती है?
5) उपयुक्त गदयांश का शीर्षक लिखिए |

उत्तर

1) सही जानकारी तो नहीं है किन्तु दो हजार वर्ष पूर्व चीन में किसी किसान ने मजाक-मजाक में अपनी टोपी में डोरी बाँधकर हवा में उछाल दिया था, और वह दुनिया की पहली पतंग बन गई|
2) भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में काईट उत्सव मनाया जाता है|
3) ऊंचीं उड़ती पतंग खिलाड़ियों के मन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करती है |
4) जिस प्रकार पतंग विपरीत हवा में आसमान में ऊँची उड़ती है, वैसे ही विपरीत परिस्थितियों में ही मनुष्य के धैर्य तथा साहस की परीक्षा होती है|
5)गद्यांश का एक शीर्षक – पतंग की कहानी

अपठित पदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हँसते खिलखिलाते रंग-बिरंगे फूल
क्यारी में देखकर
जी तृप्त हो गया।
नथुनों से प्राणों तक खिंच गई
गंध की लकीर-सी
आँखों में हो गई रंगों की बरसात
अनायास कह उठा दिल वाह!
धन्य है वसंत ऋतु !

प्रश्न

1) कवि ने किस ऋतु का वर्णन किया है?
उत्तर- कवि ने वसंत ऋतु का वर्णन किया है |
2) रंग-बिरंगे फूलों को देखकर कवि के हृदय में कौन-सा भाव आया?
उत्तर- रंग-बिरंगे फूलों को देखकर कवि के हृदय में संतुष्टि का भाव आया |
3) "गंध की लकीर-सी' से क्या अभिप्राय है ?
उत्तर- हृदय में सुगंध की अनुभूति
4) " आँख " शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए |
उत्तर- " नयन " और " नेत्र "
5) काव्यांश का शीर्षक क्या होगा ?
उत्तर- " वसंत ऋतु "

2. मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।
पाकर तुझसे सभी सुों को हमने भोगा,
तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा?
तेरी ही यह देह तुझी से बनी हुई है,
बस तेरे ही सुरस सार से सनी हुई है,
फिर अंत समय तूही इसे अचल देख अपनाएगी।
हे मातृभूमि! यह अंत में तुझमें ही मिल जाएगी।

प्रश्न

1) यह काव्यांश किसे संबोधित है? उससे हम क्या पाते हैं?

उत्तर- यह काव्यांश मातृभूमि को संबोधित है। मातृभूमि से हम जीवन के लिए आवश्यक सभी वस्तुएँ पाते हैं।

2) प्रत्युपकार' किसे कहते हैं?

उत्तर- किसी से वस्तु प्राप्त करने के बदले में कुछ देना प्रत्युपकार कहलाता है।

3) शरीर-निर्माण में मातृभूमि का क्या योगदान है?

उत्तर- मातृभूमि से ही मनुष्य का शरीर बना है। जल, हवा, आग, भूमि व आकाश मातृभूमि में ही मिलते हैं।

4) अचल विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और क्यों?

उत्तर- अचल विशेषण मानव के मृत शरीर के लिए प्रयुक्त हुआ है, क्योंकि मृत शरीर गतिहीन होता है तथा मातृभूमि ही इसे ग्रहण करती है।

5) यह कैसे कह सकते हैं कि देश से हमारा संबंध मृत्यु पर्यन्त रहता है?

उत्तर- मनुष्य का जन्म देश में होता है। यहाँ के संसाधनों से वह बड़ा होता है तथा अंत में उसी में मिल जाता है।

(लेखन-विभाग)

निम्नलिखित विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

1] महात्मा गांधी

महात्मा गांधी का जन्म गुजरात राज्य के काठियावाड़ प्रदेश में स्थित पोरबन्दर शहर में 2 अक्टूबर, 1869 ई॰ को हुआ था । उनके पिता राजकोट रियासत के दीवान के । उनकी माता बड़ी सज्जन और धार्मिक विचारोंवाली महिला थी । उन्होंने बचपन से ही गांधी को धार्मिक कथायें सुना-सुना कर उन्हें सात्विक प्रवृति बना दिया था ।सात वर्ष की आयु में उन्हे स्कूल भेजा गया । अपनी कक्षा में ठीक समय पर नियमित रूप से पहुंचते थे और पाठ को मन लगाकर पढ़ते थे । मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद वै कॉलेज में पढ़े और बाद में कानून की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड चले गये ।लन्दन में उनकी मुलाकात श्रीमती एनी बिरनेन्त से हुई और उनकी प्रेरणा से गांधी जी ने टाल्सटॉय के साहित्य को पढ़ा | टाल्सटॉय के विचारों ने उन्हें बड़ा प्रभावित किया । 1891 ई॰ में उन्होंने कानून की डिग्री प्राप्त कर ली । उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने अहिंसा का मार्ग अपनाया और ब्रिटिश सरकार के काले कानूनों का असहयोग आन्दोलनों के द्वारा जोरदार विरोध किया । उन्होंने रौलेट एक्ट तथा दूसरे काले कानूनों का डट कर विरोध किया इसके साथ ही उन्होंने काग्रेस पार्टी के सामने-समाज सुधार और हिन्दू-मुस्लिम एकता जैसे रचनात्मक कार्यो को सुझाया । छुआछूत के खिलाफ उन्होंने जोरदार आवाज उठाई और अछूतो को 'हरिजन' जैसा आदरणीय सबोधन दिया । ब्रिटिश सरकार ने स्वतन्त्रता आन्दोलन को दबाने का भरसक प्रयास किया । कई बार उन्होने गाँधी जी तथा अन्य भारतीय नेताओं को पकड कर जेल में डाल दिया । लेकिन उन्होंने भारत को स्वतन्त्रता दिलवा दी । 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वतन्त्र हुआ । वे सच्चाई का स्वयं पालन करते थे और सभी को सच्ची राह पर चलने की सलाह देते थे । वे बड़ा सादा जीवन बिताते थे । वे निर्धन, बेसहारों और बीमारों का बड़ा ख्याल रखते थे उनका व्यक्तित्व अनोखा था ।उन्होंने सदैव सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाया ।उनकी हत्या 30 जनवरी, 1948 को हुई। वे आदर्श गुरु, श्रेष्ठ वक्ता , महान् विचारक थे ।

2] मकर संक्रांति

'मकर' का अर्थ मकर है और 'संक्रांति' का अर्थ संक्रमण है, इसलिए 'मकर संक्रांति' का अर्थ है सूर्य का राशि चक्र में मकर राशि में संक्रमण, जिसे हिंदू धर्म के अनुसार सबसे शुभ अवसरों में से एक माना जाता है | मकर संक्रांति, जिसे पतंग त्योहार भी कहा जाता है| यह एक लोकप्रिय हिंदू त्योहार है। इसे पंजाब में माघी के नाम से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में, 'खिचरी' के रूप में मनाया जाता है गुजरात और राजस्थान में, त्योहार उत्तरयान के रूप में मनाया जाता है | मकर संक्रांति से ही ऋतु में परिवर्तन होने लगता है। शरद ऋतु क्षीण होने लगती है और बसंत का आगमन शुरू हो जाता है। इसके फलस्वरूप दिन लंबे होने लगते हैं और रातें छोटी हो जाती है। बताया जाता है कि मकर संक्रांति के दिन ही भगवान विष्णु ने पृथ्वी लोक पर असुरों का संहार कर उनके सिरों को काटकर मंदरा पर्वत पर गाड़ दिया था। तभी से भगवान विष्णु की इस जीत को मकर संक्रांति पर्व के तौर पर मनाया जाने लगा। जबकि यूपी, बिहार समेत तमिलनाडु में यह केवल नई फसल काटने का त्योहार होता है, इसलिए किसान मकर संक्रांति को आभार दिवस के रूप में मनाते हैं। इस

मौके पर गुजरात में पतंग उड़ाई जाती है साथ ही पतंग महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जो दुनियाभर में मशहूर है। उत्तरायण पर्व पर व्रत रखा जाता है और तिल व मूंगफली दाने की चक्की बनाई जाती है। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ से बने लड्डू और अन्य मीठे पकवान बनाने की परंपरा है। मकर संक्रांति के मौके पर सूर्य देव के पुत्र शनि के घर पहुंचने पर तिल और गुड़ की बनी मिठाई बांटी जाती है। मकर संक्रांति के मौके पर पतंग उड़ाने की भी परंपरा है। गुजरात और मध्य प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में मकर संक्रांति के दौरान पतंग महोत्सव का आयोजन किया जाता है।इस मौके पर बच्चों से लेकर बड़े तक पतंगबाजी करते हैं। पतंग बाजी के दौरान पूरा आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से गुलजार हो जाता है।

3] श्रम का महत्त्व

'श्रम' ही सफलता का मूल मंत्र है। निरंतर परिश्रम ही किसी व्यक्ति, जाति या देश के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता-व्यक्ति की कर्म भावना ही उसे महान अथवा क्षुद्र बना देती है। संसार अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जहाँ मनुष्य ने अपनी श्रमशीलता के बल पर सफलता के शिखर को छुआ है। लिंकन, गांधी, सुभाषचंद्र जी आदि अनेक जाने अनजाने नाम निरंतर लगन से श्रम करके ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाए हैं।सच ही कहा गया है-'उद्यमेन ही सिध्यन्ति, कार्याणि न मनोरथैः'-केवल इच्छा करने मात्र से कभी लक्ष्य की पूर्ति नहीं होती। सब प्रकार से समर्थ होने पर भी अगर आप अकर्मण्य रहे, तो विजय-पताका कभी न फहरा पाएँगे।अतः यदि हम स्वयं को और अपने देश को ऊपर उठाना चाहते हैं तो पुरानी बातों को भूलकर हम श्रम के महत्त्व को समझें। इससे भारत देश को विकसित देशों की श्रेणी में लाने में हमें देर नहीं लगेगी।उद्यमी या परिश्रमी लोग जो चाहें कर सकते हैं। महान विजेता नेपोलियन अपनी सेना के साथ देश-देश जीतता हुआ बाढ़ के पानी की तरह बढ़ा आ रहा था। आल्पस पर्वत को देखकर सैनिक रुके, लेकिन जब नेपोलियन 'कहाँ है आल्पस? मुझे तो कहीं नजर नहीं आता' कहते आगे बढ़ा, तो सभी सैनिक उसके साथ हो लिए। परिश्रम का रास्ता फूलों का नहीं काँटों का रास्ता होता है। श्रम और दृढ़ निश्चय के बल पर ही व्यक्ति असफलताओं और पराजयों को पीछे ढकेल सफलता और विजय को खींचकर ला सकता है।

निम्नलिखित विषय पर पत्र लिखिए।

1) अपने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की समस्या के बारे में सूचना देते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

16 ए हौज खास,
नई दिल्ली
दिनांक 25 जुलाई .....
सेवा में
थाना अध्यक्ष
विषय – बढ़ते हुए अपराधों की समस्या के समाधान हेतु पत्र।
मान्यवर,

मैं हौज खास क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराधों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। पिछले दो महीने में हमारे क्षेत्र में चार चोरियाँ व दो हत्याएँ हो चुकी हैं। छोटी-मोटी राहजनी की घटनाएँ तो अब आम हो गई हैं। राह चलती महिलाओं के पर्स, चेन आदि मोटरसाइकिल सवार दिन-दहाड़े लूटकर ले जाते हैं। पुलिस की गश्त करने वाली वैन सड़क पर दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। इस वजह से अपराधियों के हौंसले दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि इन अपराधों की रोकथाम के लिए जल्द से जल्द कार्यवाही करें, ताकि इस क्षेत्र के निवासी निश्चित होकर जी सकें और सड़कों पर चल सकें। आशा है कि आप मेरे अनुरोध पर ध्यान देंगे और कोई ठोस कदम उठाएँगे।

धन्यवाद
रजत कुमार

2) अपने पिताजी की बीमारी की सूचना अपने चाचा जी को पत्र द्वारा दीजिए |

संजय नगर गाजियाबाद
10 मार्च 2022
आदरणीय चाचा जी,
सादर प्रणाम

मैं कुशल पूर्वक हूँ और आपकी कुशलता ईश्वर से चाहता हूँ। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। चाचा जी, चिंता और दुख की बात यह है कि आजकल पिताजी की तबीयत ठीक नहीं चल रही है। लगभग 10 दिन पहले उन्हें उच्च रक्तचाप के कारण सांस लेने में परेशानी होने लगी थी जिस कारण उन्हें 1 सप्ताह तक अस्पताल में भी रहना पड़ा था। अब वह घर आ गए हैं। राहत की बात यह है कि उनके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। डॉक्टर के अनुसार समय पर दवा लेने और थोड़ी सावधानी रखने पर वह शीघ्र ही पूर्ण स्वस्थ हो जाएंगे। पिता जी आपको याद कर रहे हैं। शनिवार और रविवार आप का अवकाश होगा। आप 2 दिनों के लिए यहां आ जाइए। आपसे मिलकरउनका मन बहल जाएगा और हो सकता है उनका स्वास्थ्य जल्दी सुधार हो जाए। शेष सब कुशल है।
आपके पत्र की प्रतीक्षा में..
आपका भतीजा
सुरेश

निम्नलिखित विषय पर विज्ञापन तैयार कीजिए।

1) पानी बचाएँ पर एक विज्ञापन बनाएं।

2) दिवाली के अवसर पर दुकान में लगी सेल की जानकारी लोगों तक पहुंचाने हेतु एक विज्ञापन बनाएं।

3) पेंसिल बेचने के लिए एक विज्ञापन बनाएं।

(व्याकरण –विभाग)

मुहावरे

1) कलई खुलना (रहस्य खुलना) – पुलिस ने जब सेठ धनीराम के व्यापार पर छापा मारा तो उसके कारोबार की कलई खुल गई।
2) कान भरना (चुगली करना) – मंथरा हमेशा कैकेयी के कान भरती रहती थी।
3) नौ-दो ग्यारह होना (भाग जाना) – गाँववालों को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गए।
4) कानाफूसी करना (धीरे-धीरे बात करना) – अध्यापिका जी के कक्षा से बाहर जाते ही बच्चों ने आपस में कानाफूसी शुरू कर दी।
5) चंपत होना (भाग जाना) – बिल्ली सारा दूध पीकर चंपत हो गई।
6) एड़ी-चोटी का जोर लगाना (पूरा जोर लगाना) – मैं कक्षा में प्रथम आने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा हूँ।
7) मुँह में पानी आना (लालच पैदा होना) – रसगुल्लों को देखकर मेरे मुँह में पानी भर आता है।
8) हवा से बातें करना (बहुत तेज़ दौड़ना) – बाबा भारती का घोड़ा हवा से बातें करता था।
9) अगर-मगर करना (टाल-मटोल करना) – माँ ने आयुष से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।
10) काम तमाम करना (मार डालना) – शेर ने कुछ ही पलों में हिरन का काम तमाम कर दिया।
11) बाट देखना (प्रतीक्षा करना) – हम सब मुख्य अतिथि की बाट देख रहे हैं।
12) दिल दुखाना (कष्ट देना) – हमें कभी भी अपनों का दिल नहीं दुखाना चाहिए।
13) बाल बाँका न होना (जरा भी नुकसान न होना) – इतनी बड़ी दुर्घटना के बाद भी चालक का बाल भी बाँका न हुआ।
14) कान पकना (ऊब जाना) – पलक की बातें सुन-सुनकर मेरे कान पक गए हैं।

➢ लोकोक्तियाँ

1) अक्ल बड़ी या भैंस- काम बुद्धि से होता है, ताकत से नहीं
– एक पहलवान इस समस्या को हल नहीं कर सका, परंतु उस कमज़ोर व्यक्ति ने कितनी आसानी से हल कर दिया।
2) अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत - समय गुज़रने पर पछताना व्यर्थ है
– रेखा फेल होने पर बहुत पछताई कि यदि मेहनत कर लेती तो अवश्य पास हो जाती। पर अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत ।
3)अंधों में काना राजा- मूर्खा में थोड़ा ज्ञानी
– पूरे गाँव में मदन ही थोड़ा पढ़ा लिखा है, बस वही अंधों में काना राजा है।
4)आँख का अंधा नाम नयन सुख- अर्थ के विपरीत नाम
– उसका नाम तो है भोला लेकिन वह बड़े-बड़ों का कान काटता है। इसलिए कहा गया है – आँख का अंधा नाम नयन सुख।

5) उलटा चोर कोतवाल को डाँटे-स्वयं अपराध करके दूसरों पर दोष मढ़ना
– मेरी किताब गंदी करने पर राम मुझे ही डाँटने लगा। मैंने, कहा उलटा चोर कोतवाल को डाँटे।
6) ऊँची दुकान फीका पकवान -ऊपरी दिखावा
– शो केस में रजत की दुकान में बड़े सुंदर सामान लगे हुए हैं, मगर अंदर सभी डुप्लीकेट माल भरा है। है न ऊँची दुकान फीका पकवान वाली बात।।
7) अंत भला तो सब भला -जिस काम का परिणाम अच्छा हो, वही ठीक है
– मेरी नौकरी तो छोटी-सी थी, अब तरक्की हो जाने पर सब ठीक हो गया, क्योंकि कहावत भी है कि अंत भला तो सब भला।
8)साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे - आसानी से काम हो जाना
– ठेके और जमींदार के झगड़े में पंच को ऐसा फैसला सुनाना चाहिए कि साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

वाक्य के प्रकार लिखिए।

1) वह अब जा चुका होगा। सन्देहवाचक वाक्य
2) अरे! वह उत्तीर्ण हो गया। विस्मयवाचक वाक्य
3) जो परिश्रम करेगा वह सफल होगा। संकेतवाचक वाक्य
4) राम नहीं पढ़ता है। निषेधवाचक वाक्य
5) यहीं बैठकर पढ़ो| आज्ञावाचक वाक्य
6) आप जीवन में उन्नति करें। इच्छावाचक वाक्य
7) आपका भविष्य उज्ज्वल हो | इच्छावाचक वाक्य
8) लड़कियाँ नृत्य कर रहीं है।
9) आपकी यात्रा शुभ हो। इच्छावाचक वाक्य
10) ओह ! कितना सुन्दर दृश्य है। विस्मयादिवाचक वाक्य
11) क्या आप आगरा जा रहीं हैं ? प्रश्नवाचक वाक्य
12) आप बजार ना जायें। निषेधवाचक वाक्य
13) क्या आप खाना खाओगे? प्रश्नवाचक वाक्य
14) आपका जीवन मंगलमय हो। इच्छावाचक वाक्य
15) सूर्य पूर्व में उदय होता है। विधानवाचक वाक्य
16) शायद मैं फिल्म देखने चला जाऊँ। संदेहवाचक वाक्य

चिह्न

1) पूर्ण विराम-चिह्न (Sign of full-stop) – (।)
2) अर्द्ध विराम-चिह्न (Sign of semi-colon) – (;)
3) अल्प विराम-चिह्न (Sign of comma) – (,)
4) प्रश्नवाचक चिह्न (Sign of interrogation) – (?)
5) विस्मयादिबोधक चिह्न (Sign of exclamation) – (!)
6) उद्धरण चिह्न (Sign of inverted commas) – (" ") (' ')
7) निर्देशक या रेखिका चिह्न (Sign of dash) – (—)
8) विवरण चिह्न (Sign of colon dash) – (:-)
9) अपूर्ण विराम-चिह्न (Sign of colon) – (:)
10) योजक विराम-चिह्न (Sign of hyphen) – (-)
11) कोष्ठक (Brackets) – () [] {}

(साहित्य-विभाग)

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1- रामन मल्लिका किसकी हँसी उड़ा रहे थे?
(a) जॉर्ज की **(b) अप्पू की** (c) कंचों की (d) उपर्युक्त सभी

2- अप्पू के विद्यालय के रास्ते में किसके पेड़ों की घनी छाँव थी?
(a) पीपल के **(b) नीम के** (c) आम के (d) शीशम के

3- अप्पू का ध्यान किसकी कहानी पर केंद्रित था?
(a) सियार और कौआ की (b) लोमड़ी और कौए की (c) लोमड़ी और सारस की
(d) सियार और ऊँट की

4- शुरुआत में शावकों ने दिन कैसे व्यतीत किया?
(a) मेज़ पर चढ़कर (b) कुरसी पर चढ़कर **(c) कहीं छिपकर** (d) लेखिका के पास

5- बड़े मियाँ के भाषण की तुलना किससे की गई है?
(a) ड्राइवर से (b) चिड़ीमार से (c) सामान्य ट्रेन से **(d) तूफ़ान मेल से**

6- मोर के दोनों बच्चों को चिड़ीमार कहाँ से पकड़कर लाया था?
(a) रामगढ़ से (b) रायगढ़ से (c) पिथौरागढ़ से **(d) शंकरगढ़ से**

7- मंगल पांडे ने अंग्रेजों के विरुद्ध कहाँ बगावत किया था?
(a) दानापुर (b) कानपुर (c) आज़मगढ़ **(d) बैरकपुर**

8- पाठ में किस स्थान पर 1857 में भीषण विद्रोह नहीं हुआ था?
(a) कानपुर (b) बुंदेलखंड (c) आजमगढ़ **(d) रूहेलखंड**

9- 11 मई 1857 को भारतीय सैनिकों ने किस पर कब्जा कर लिया?
(a) लखनऊ (b) आरा (c) मेरठ **(d) दिल्ली**

10- वीर कुंवर सिंह का जन्म किस राज्य में हुआ था?
(a) बंगाल (b) उत्तर प्रदेश **(c) बिहार** (d) उड़ीसा

11- कुछ समय बाद आगंतुकों की संख्या आश्रम में कितने होने वाली थी?
(a) 30 (b) 40 **(c) 50** (d) 60

12- सपरिवार रहने वाले अतिथि की संख्या आश्रम में कितनी होगी?
(a) 2 (b) 3 (c) 5 **(d) 3 से 5**

13- आश्रम में कितनी पुस्तकें रखने की बात हो रही थी?
(a) 1000 (b) 1500 (c) 2000 **(d) 3000**

14- 'भोर और बरखा' कविता की रचयिता हैं?
(a) सुभद्रा कुमारी चौहान **(b) मीरा बाई** (c) महादेवी वर्मा (d) विनीता पाण्डेय

15- रहीम के दोहे' का मुख्य अभिप्राय है?
(a) ईश्वर की भक्ति **(b) नीति की बातें** (c) वीरता का वर्णन
(d) ईमानदारी की बातें

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1-जीवन में मित्रों की अधिकता कब बढ़ जाती है?
उत्तर- जब जीवन में काफ़ी धन-दौलत, मान-सम्मान बढ़ जाता है तो मित्रों और शुभचिंतकों की संख्या बढ़ जाती है।

2-"जल को मछलियों से कोई प्रेम नहीं होता" इसका क्या प्रमाण है?
उत्तर-जल को मछलियों से कोई प्रेम नहीं होता। इसका यह प्रमाण है कि मछलियों के जाल में फँसते ही जल उन्हें अकेला छोड़कर आगे बह जाता है।

3- सज्जन और विद्वान के संपत्ति संचय का क्या उद्देश्य होता है?
उत्तर-सज्जन और विद्वान संपत्ति का अर्जन दूसरों की भलाई के लिए करते हैं। उनका धन हमेशा दूसरों की भलाई में खर्च होता

है।

4- रहीम ने क्वार मास के बादलों को कैसा बताया है?

उत्तर- रहीम ने क्वार महीने के बादलों को थोथा यानी बेकार गरजने वाला बताया है।

5- अप्पू को कंचे का आकार कैसा लग रहा था?

उत्तर – अप्पू को कंचे का आकार आँवले जैसा लग रहा था।

6- अप्पू को उसके पिता ने पैसे क्यों दिए थे?

उत्तर - अप्पू को उसके पिता ने पैसे स्कूल की फ़ीस के लिए दिए थे।

7- कंचे कैसे थे?

उत्तर - सफ़ेद गोल कंचे थे। उसमें हरी लकीरें थी। वह बड़े आँवले के जैसे थे और बहुत खूबसूरत थे।

8- तिनका कहाँ आ गिरा?

उत्तर - तिनका कवि की आँख में आ गिरा।

9- कवि घमंड में ऐंठा हुआ कहाँ खड़ा था?

उत्तर - कवि घमंड में ऐंठा हुआ मुंडेर पर खड़ा था।

10- कवि पर किसने व्यंग किया?

उत्तर – कवि पर समझ ने व्यंग किया।

11- मोरनी को मोर की सहचारिणी क्यों कहा गया?

उत्तर-मोरनी को मोर का सहचारिणी कहा गया क्योंकि वह हमेशा मोर के साथ रहती थी।

12- घर पहुँचने पर बच्चों को घरवालों ने क्या कहा?

उत्तर-घर पहुँचने पर सब कहने लगे – तीतर है और मोर कहकर ठग लिया है।

13- वीरकुंवर सिंह का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

उत्तर- वीरकुंवर सिंह का जन्म 1782 ई० में बिहार में शाहाबाद जिले के जगदीशपुर में हुआ था।

14- बाबू कुँवर सिंह ने रियासत की जिम्मेदारी कब सँभाली?

उत्तर- बाबूकुँवरसिंह ने अपने पिता की मृत्यु के बाद 1827 में रियासत की जिम्मेदारी सँभाली।

15- सन् 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की शुरुआत कब और किसने की?

उत्तर- सन् 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की शुरुआत मंगलपांडे ने मार्च 1857 में बैरक पुर सैनिक छावनी से की थी।

16- गांधीजी कौन-सा आश्रम बना रहे थे?

उत्तर- गांधीजी अहमदाबाद में साबरमती आश्रम बना रहे थे।

17- शिक्षण के सामान में कितने हथकरघों की आवश्यकता होगी?

उत्तर- पाँच-छह देशी हथकरघों की आवश्यकता होगी।

18- गांधीजीने आश्रम की स्थापना कब की थी?

उत्तर- गांधीजीने आश्रम की स्थापना दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद की थी।

19- कवि अन्य कवियों से क्या आह्वान करता है?

उत्तर- क्रांतिकारी गीत की रचना के लिए आह्वान करता है।

20- क्रांति लाने के लिए कवि किसका सहारा लेता है?

उत्तर- क्रांति लाने के लिए कवि गीत का सहारा लेता है।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

1- रहीम मनुष्य को धरती से क्या सीख देना चाहता है?

उत्तर-रहीम मनुष्य को धरती से सीख देना चाहता है कि जैसे धरती सरदी, गरमी व बरसात सभी ऋतुओं को समान रूप से सहती है, वैसे ही मनुष्य को भी अपने जीवन में सुख-दुख को सहने की क्षमता होनी चाहिए।

2- वृक्ष और सरोवर किस प्रकार दूसरों की भलाई करते हैं?

उत्तर- वृक्ष और सरोवर अपने द्वारा संचित वस्तु का स्वयं उपयोग नहीं करते हैं, यानी वृक्ष असंख्य फल उत्पन्न करता है लेकिन वह स्वयं उसका उपयोग नहीं करता। वह फल दूसरों के लिए देते हैं। ठीक इसी प्रकार सरोवर भी अपना जल स्वयं न पीकर उसे समाज की भलाई के लिए संचित करता है।

3- मीरा ने सावन का वर्णन किस प्रकार किया है?

उत्तर- कविता के दूसरे पद में मीरा ने सावन का वर्णन अनुपम ढंग से किया है। वे कहती हैं कि सावन के महीने में मन-भावन वर्षा हो रही है। सावन के आते ही मन में उमंग आ जाती है। उसे श्रीकृष्ण के आने की भनक लग जाती है।चारों ओर से बादल उमड़-घुमड़ कर आ रहे हैं, बिजली चमक रही है, नन्हीं-नन्हीं बूंदें पड़ रही हैं तथा मंद-मंद शीतल वायु चल रही है।

4- दुकान में कंचे देखकर अप्पू की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर– वह कंधे से लटकते बस्ते का फीता एक तरफ़ हटाकर, उस कंचे वाले जार के सामने खड़ा होकर टुकर – टुकर ताकता रहा और सोचने लगा की शायद दुकानदार ने इसे नया - नया लाकर कर रखा है।

5- तिनकेवाली घटना से कवि को क्या शिक्षा मिली?

उत्तर- तिनकेवाली घटना से कवि को यह शिक्षा मिली कि मनुष्य को कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए। एक छोटा तिनका भी कष्ट का कारण बन सकता है और हमारे घमंड को चूर कर सकता है।

6- कवि की सारी अकड़ क्यों भाग गई?

उत्तर– कवि की सारी अकड़ आँख में तिनका गिरने से भाग गई। उसे घमंड था कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता परन्तु एक तिनके ने उसकी हालत बुरी कर दी और उसे तिनका निकालने के लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ी।

7- नीलकंठ का सुखमय जीवन करुण कथा में कैसे बदल गया?

उत्तर-कुब्जा के आने के बाद उसने अपने रूखे व्यवहार की शुरुआत कर दिया। उसके कलह से नीलकंठ की प्रसन्नता का अंत हो गया। कई बार वह जालीघर से निकल भागा। एक दिन वह भूखा-प्यासा आम की शाखाओं में छिपा बैठा रहा, जहाँ से लेखिका ने पुचकार कर उतारा। एक बार खिड़की की शेड पर छिपा रही। तीन-चार महीने के बाद नीलकंठ ने अपने प्राण त्याग दिए। उसके सुखमय जीवन का अंत हो गया।

8- 1857 की क्रांति की क्या उपलब्धियाँ थीं?

उत्तर- 1857 की क्रांति की सबसे बड़ी उपलब्धि यह थी कि यह आंदोलन देश को आजादी पाने की दिशा में एकप्रथम चरण था। इस क्रांति के परिणाम स्वरूप लोगों की आँखें खुल गईं और उनमें राष्ट्रीय एकता और स्वाधीनता की पृष्ठ भूमिका विकास हुआ। इस आंदोलन की उपलब्धि सांप्रदायिक सौहार्द की भावना के विकास के रूप में हुआ। हिंदू- मुस्लिम एकता बढ़ी। राष्ट्रीय भावना लोगों में जाग्रत हुई।

9-गांधीजी को आश्रमके लिए कितने स्थान की ज़रूरत थी और क्यों?

उत्तर- साबरमती आश्रम में लगभग 40-50 लोगों के रहने, इनमें हर महीने दस अतिथियों के आने की संभावना, जिनमें तीन या पाँच सपरिवार आने की उम्मीद थी। अतः आश्रम में तीन रसोईघर तथा रहने के मकान के लिए 50,000 फुट क्षेत्रफल में बने मकान की आवश्यकता थी। इसके अलावे-खेती के लिए पाँच एकड़ जमीन की ज़रूरत थी, क्योंकि इतने लोगों के भोजन का सामान खरीदना कठिन था।

10- कवि विप्लव गान क्यों गाना चाहता है?

उत्तर- कवि का मानना है कि विप्लव गान द्वारा ही वह लोगों को समाज के नवनिर्माण के लिए जाग्रत कर सकता है, क्योंकि सुंदर राष्ट्र की नींव पुराने, गले-सड़े रीति-रिवाजों व रूढ़िवादी विचारों पर नहीं रखा जा सकता।

बाल- महाभारत

1-दुर्योधन और अर्जुन किस कारण श्रीकृष्ण के पास गए थे?
उत्तर - दुर्योधन और अर्जुन दोनों ही श्रीकृष्ण के पास उनसे प्रार्थना करने गए थे कि वो उनकी युद्ध में सहायता करें।
2- श्रीकृष्ण से मिलने के बाद दुर्योधन किस बात के लिए आनंदित हो रहा था?
उत्तर-श्रीकृष्ण से मिलने के बाद दुर्योधन आनंदित हो रहा था क्योंकि उसे लगा कि अर्जुन ने खूब धोखा खाया और श्रीकृष्ण की वह लाखों वीरोंवाली भारी-भरकम सेना सहज में ही उसके हाथ आ गई।
3- श्रीकृष्ण किन लोगों को लेकर उपप्लव्य जा पहुँचे?
उत्तर – भाई बलराम, अर्जुन की पत्नी सुभद्रा तथा पुत्र अभिमन्यु और यदुवंश के कई वीरों को लेकर श्रीकृष्ण उपप्लव्य जा पहुँचे।
4- धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को संधि के विषय में क्या समझाया?
उत्तर- धृतराष्ट्र ने संतप्त होकर दुर्योधन को समझाया-"बेटा, भीष्म पितामह जो कहते हैं, वही करने योग्य है। युद्ध न होने दो। संधि करना ही उचित है।"
5- श्रीकृष्ण हस्तिनापुर किस उद्देश्य से गए?
उत्तर - शांति की बातचीत करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण हस्तिनापुर गए।
6- महाभारत का युद्ध कुल कितने दिन तक चला?
उत्तर- महाभारत का युद्ध कुल अट्ठारह दिन तक चला।
7- कौरवों की सेना के नायक कौन थे?
उत्तर - कौरवों की सेना के नायक भीष्म पितामह थे ।
8- कर्ण की मृत्यु कब हुई?
उत्तर– सत्रहवें दिन की लड़ाई में कर्ण की मृत्यु हो गई।
9- द्रोणाचार्य द्वारा बनाया गया चक्रव्यूह किसने तोड़ा?
उत्तर – द्रोणाचार्य द्वारा बनाया गया चक्रव्यूह अभिमन्यु ने तोड़ा।
10- शकुनि का वध किसने किया?
उत्तर – शकुनि का वध सहदेव ने किया।
11- परीक्षित किसका पुत्र था?
उत्तर – परीक्षित उत्तरा और अभिमन्यु का पुत्र था।
12- अश्वथामा कौन था और उसने पांडवों को नष्ट करने की प्रतिज्ञा क्यों ली?
उत्तर – अश्वथामा द्रोणाचार्य का पुत्र था। उसने पांडवों को नष्ट करने की प्रतिज्ञा इसलिए ली थी क्योंकि पांडवों ने कुचक्र रच कर उसके पिता द्रोणाचार्य का वध किया था।
13- बलराम ने समाधि में बैठकर शरीर क्यों त्याग दिया?
उत्तर – वंश-नाश देखकर बलराम को असीम शोक हुआ और उन्होंने वहीं समाधि में बैठकर शरीर त्याग दिया।

> >